मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.जे.वाई.-004 : कुण्डली निर्माण

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तार से उत्तर दीजिए : $3 \times 20 = 60$

   (क) दशम लग्नसाधन विधि का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ख) ससन्धि द्वादश भावसाधन विधि का सप्रमाण वर्णन कीजिए।

(ग) चन्द्र स्पष्ट विधि का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

(घ) विंशोतरी दशा साधन का वर्णन कीजिए।

(ङ) उदाहरण सहित षड्वर्ग साधन लिखिए।

(च) अष्टक वर्ग पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$4 \times 10 = 40$

(क) ग्रहों की पञ्चधा मैत्री का वर्णन कीजिए।

(ख) त्रिकोण शोधन विधि को लिखिए।

(ग) सूर्याष्टकवर्ग का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

(घ) ग्रहस्पष्टीकरण विधि का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ङ) लंकोदयमान से स्वोदयमान स्पष्ट कीजिए।

(च) कर्क-सिंह राशियों के स्वरूप लिखिए।

(छ) नत साधन विधि का वर्णन कीजिए।

(ज) चालन विधि को सप्रमाण स्पष्ट कीजिए।

(झ) एकाधिपति शोधन को सप्रमाण स्पष्ट कीजिए।

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com